भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 25 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय:: (i) बिहार में 26 दिसंबर तक, असम और मेघालय में 27 दिसंबर तक, उत्तर प्रदेश में 29 दिसंबर तक, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में 30 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है; साथ ही जम्मू-कश्मीर, पूर्वी अरुणाचल प्रदेश में 28 दिसंबर तक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय में 30 दिसंबर तक, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में 27 दिसंबर तक रात/सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

(ii) शीत दिवस से गंभीर शीत दिवस की स्थिति 25 से 28 दिसंबर तक बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम के कुछ स्थानों पर बहुत संभावित है; 25 से 27 दिसंबर तक उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में। शीत दिवस की स्थिति 25 एवं 26 दिसंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में बहुत संभावित है।

(iii) झारखंड के कुछ हिस्सों में 26 और 27 तारीख को, पश्चिमी राजस्थान और उत्तरी छत्तीसगढ़ में 26 से 28 तारीख तक, और पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 26 से 30 दिसंबर तक शीत लहर की स्थिति रहने की संभावना है।

आज, 25 दिसंबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज मौसम:

- घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) उत्तर प्रदेश के कुछ/कई हिस्सों में; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, जम्मू डिवीजन, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के अलग-अलग इलाकों में; घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर): असम एवं मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, गंगा का पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में दर्ज किया गया।
- दृश्यता मीटर में दर्ज (≤200 मीटर): पश्चिम उत्तर प्रदेश: सरसावा (IAF)-00 मीटर, मेरठ-30 मीटर, शाहजहांपुर-40 मीटर, हमीरपुर-150 मीटर; पूर्वी उत्तर प्रदेश: AMS अयोध्या, प्रयागराज (IAF), बाराबंकी एवं कानपुर (IAF)-00 मीटर प्रत्येक, बहराइच, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर (सिटी) एवं हरदोई-20 मीटर प्रत्येक, AMS श्रावस्ती, अयोध्या, वाराणसी (AP) एवं लखनऊ (AP)-50 मीटर प्रत्येक, सुल्तानपुर-60 मीटर, फतेहगढ़ एवं गोरखपुर-80 मीटर प्रत्येक, गोरखपुर (IAF), आजमगढ़ एवं बांदा-100 मीटर प्रत्येक, बस्ती एवं बलिया-150 मीटर प्रत्येक; बिहार: गया, भागलपुर 20 मीटर प्रत्येक; जम्मू डिवीजन: उधमपुर 0 मीटर; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर-30 मीटर, सुंदरनगर-70 मीटर; असम एवं मेघालय: जोरहाट 100 मीटर, बारापानी 150 मीटर; मणिपुर: इंफाल 100 मीटर, त्रिपुरा: अगरतला 100 मीटर; गंगा का पश्चिम बंगाल: दम दम 100 मीटर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: बागडोगरा 0 मीटर; कूचबिहार, जलपाईगुड़ी 50 मीटर प्रत्येक; ओडिशा: धेनकानल 20 मीटर; भुवनेश्वर 100 मीटर; झारखंड: देवघर 100 मीटर; उत्तराखंड: जॉली ग्रांट 100 मीटर, हरिद्वार 100 मीटर, काशीपुर 100 मीटर; हरियाणा एवं पंजाब: चंडीगढ़, अंबाला 10 मीटर; पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो 50 मीटर।
- शीत दिवस से गंभीर शीत दिवस की स्थिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर; बिहार एवं निकटवर्ती पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में शीत दिवस की स्थिति दर्ज की गई।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (अनुबंध I एवं II देखें):

❖ दक्षिण केरल तटों से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर पर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण।
- उत्तर तमिलनाडु तटों से सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण।

❖ उत्तर-पूर्व भारत पर समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 140 नॉट्स की कोर हवाओं के साथ उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम प्रचलित।
❖ एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ 27 दिसंबर 2025 से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना।

इन प्रणालियों के प्रभाव में निम्नलिखित मौसम की संभावना:

 जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 27 से 31 दिसंबर तक अलग-अलग से छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा/हिमपात की बहुत संभावना; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 26, 30 एवं 31 दिसंबर को।
 अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 27 से 31 दिसंबर तक अलग-अलग आंधी-तड़ित के साथ तेज हवा (30-40 किमी/घंटा) की संभावना।

पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

 न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद के कई स्थानों पर; उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर; 5°-10°C की रेंज में हरियाणा चंडीगढ़ एवं दिल्ली, पंजाब के कई स्थानों पर; राजस्थान, मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर; ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, पश्चिम उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं कराईकल, गंगा का पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम, मध्य महाराष्ट्र के अलग-अलग स्थानों पर।
 न्यूनतम तापमान विचलन सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) लक्षद्वीप के कई स्थानों पर; अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, पूर्वी उत्तर प्रदेश, कोंकण एवं गोवा, मध्य महाराष्ट्र, रायलसीमा एवं तटीय कर्नाटक के कुछ स्थानों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम, ओडिशा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पूर्वी राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं कराईकल, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक एवं केरल एवं महे के अलग-अलग स्थानों पर। काफी नीचे (-5.0°C से -3.1°C) पूर्वी राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर आंतरिक कर्नाटक एवं केरल एवं महे के कुछ स्थानों पर; गंगा का पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कोंकण एवं गोवा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं कराईकल एवं दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के अलग-अलग स्थानों पर। उल्लेखनीय रूप से नीचे (<-5.0°C) असम एवं मेघालय, पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं कराईकल एवं दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर; गंगा का पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, सौराष्ट्र एवं कच्छ, कोंकण एवं गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश एवं यानम एवं उत्तर आंतरिक कर्नाटक के अलग-अलग स्थानों पर। (अनुबंध IV देखें)
 न्यूनतम तापमान पिछले 24 घंटों में पश्चिम राजस्थान, तटीय आंध्र प्रदेश एवं यानम, उत्तर-पूर्व भारत, छत्तीसगढ़, झारखंड के कुछ स्थानों पर 1-3°C बढ़ा; उत्तर-पश्चिम भारत, ओडिशा, बिहार, गुजरात क्षेत्र के कुछ स्थानों पर 1-3°C गिरा। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3°C आदमपुर (पंजाब) में दर्ज किया गया।
 रात्रि तापमान तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कई हिस्सों में 3-4°C सामान्य से काफी नीचे; उत्तर आंतरिक कर्नाटक एवं रायलसीमा के कुछ हिस्सों में; उत्तर-पूर्व भारत के कई हिस्सों में 2-3°C सामान्य से ऊपर।
 भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम अधिकतम तापमान 15.4°C प्रयागराज IAF (पूर्वी उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

 असम में अगले 2 दिनों तक 2-3°C की धीरे-धीरे गिरावट की बहुत संभावना और उसके बाद अगले 5 दिनों तक कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं।
 छत्तीसगढ़ में अगले 3 दिनों तक 1-2°C की धीरे-धीरे गिरावट की बहुत संभावना और उसके बाद अगले 4 दिनों तक कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं।
 देश के शेष हिस्सों में अगले 7 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं।

घना कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियाँ:

 रात/सुबह के समय अलग-अलग इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा 26 दिसंबर तक बिहार में; 27 दिसंबर तक असम एवं मेघालय में तथा घना कोहरा रात/सुबह के समय अलग-अलग इलाकों में 28 दिसंबर तक जम्मू-कश्मीर, पूर्वी अरुणाचल प्रदेश में; 30 दिसंबर

तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम एवं त्रिपुरा, असम एवं मेघालय में; 27 दिसंबर तक पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तर छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम में; 31 दिसंबर तक बिहार में।

 पंजाब हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में 30 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा बना रहने की बहुत संभावना तथा उसके बाद 2 दिनों तक अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा।

 पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ/कई हिस्सों में 29 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा बना रहने की बहुत संभावना तथा उसके बाद 3 दिनों तक अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा।

 शीत लहर की स्थिति 26 एवं 27 दिसंबर को झारखंड के अलग-अलग इलाकों में; 26-28 दिसंबर तक पश्चिम राजस्थान, उत्तर छत्तीसगढ़ में; 26-30 दिसंबर तक पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ में अलग-अलग इलाकों में बहुत संभावना।

 शीत दिवस से गंभीर शीत दिवस की स्थिति 25-28 दिसंबर तक बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम के कुछ स्थानों पर; 25-27 दिसंबर तक उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में बहुत संभावना। शीत दिवस की स्थिति 25 एवं 26 दिसंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में बहुत संभावना।

मछुआरे चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि 25 दिसंबर से 30 दिसंबर तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

 बंगाल की खाड़ी:

मन्नार की खाड़ी एवं निकटवर्ती, कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 25 से 30 दिसंबर तक।

दिल्ली/एनसीआर में 23-26 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	25- Dec	26- Dec	27- Dec	28- Dec	29- Dec	30- Dec	31- Dec
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	DRY	DRY	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	DRY	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
35	KERALA AND MAHE	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

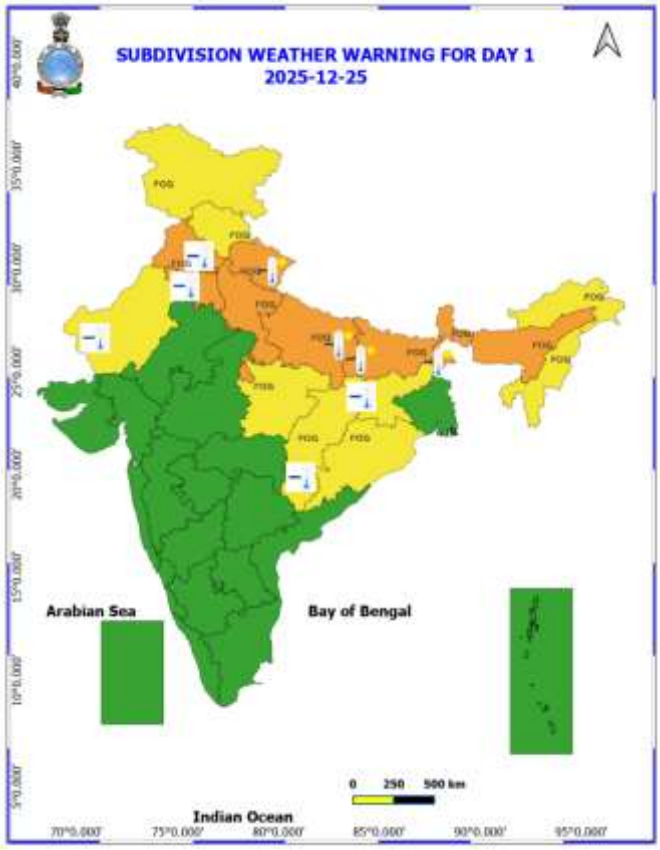
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-25
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

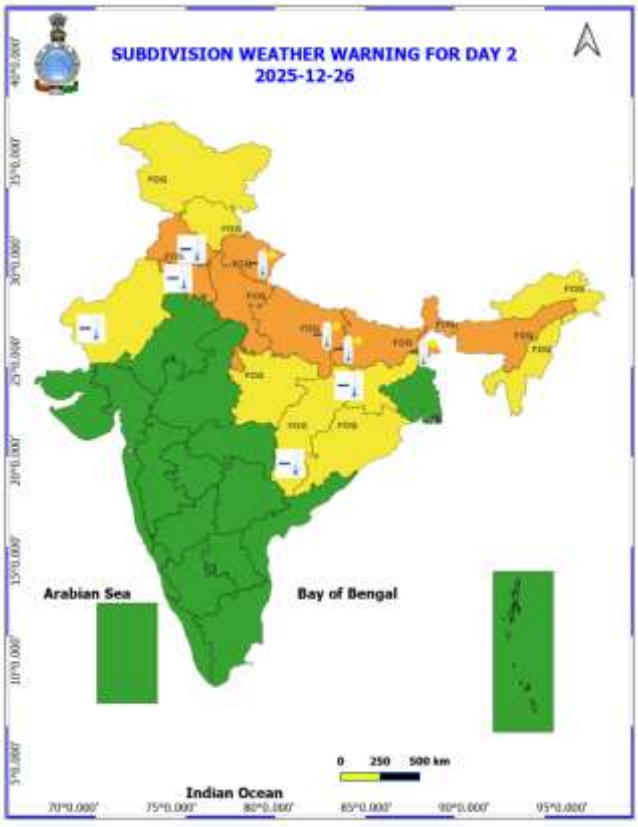
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-26
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

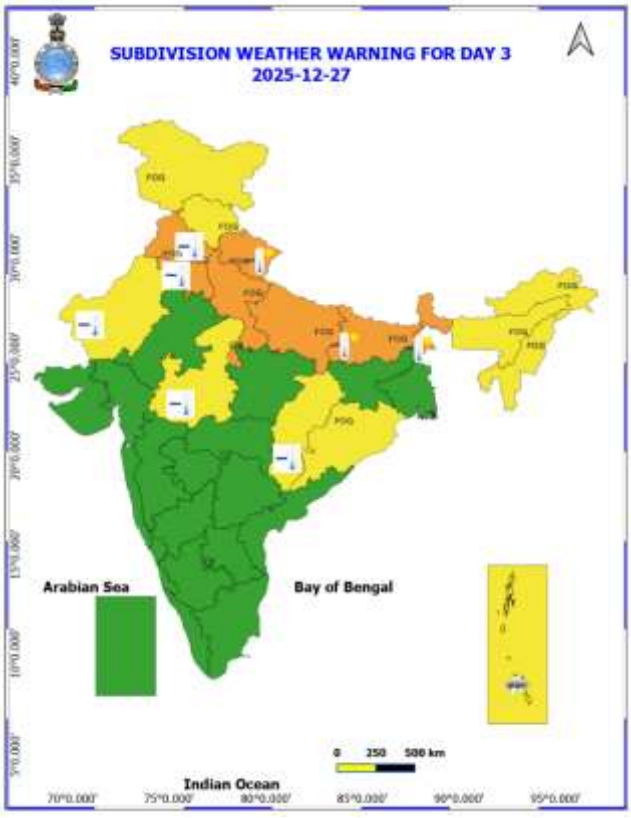
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-27
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

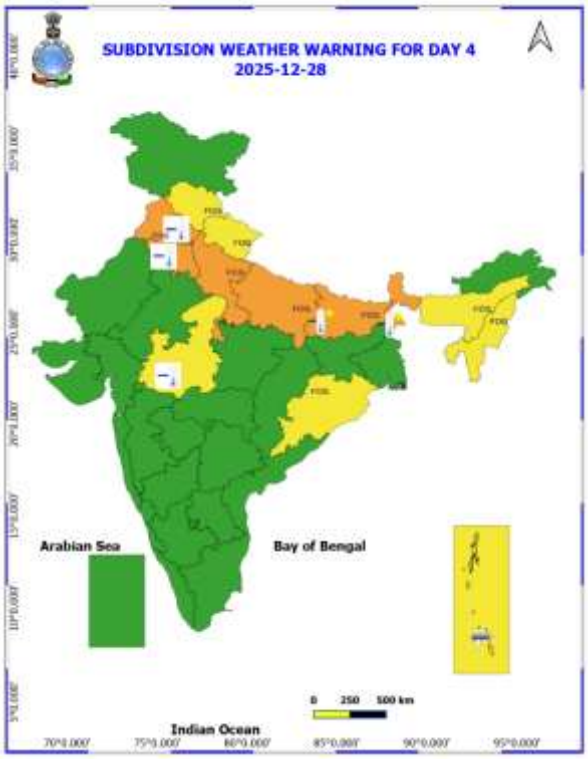

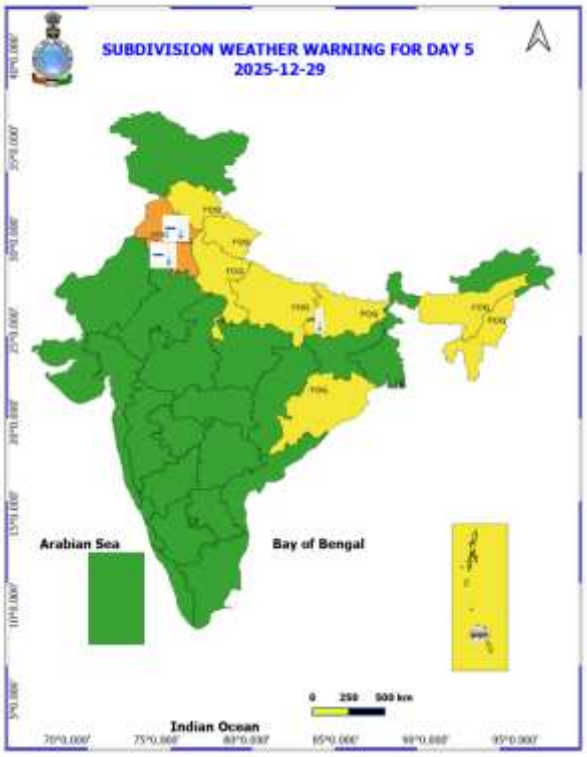

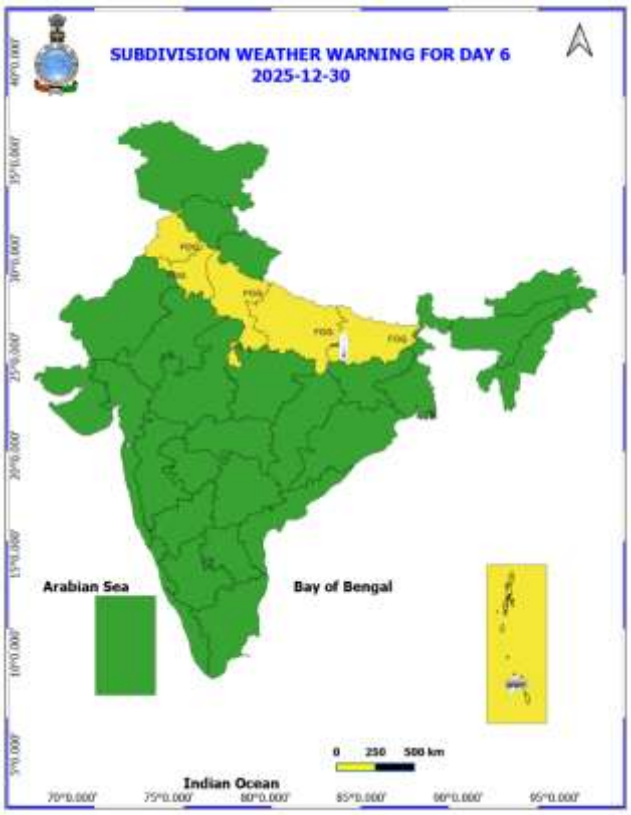

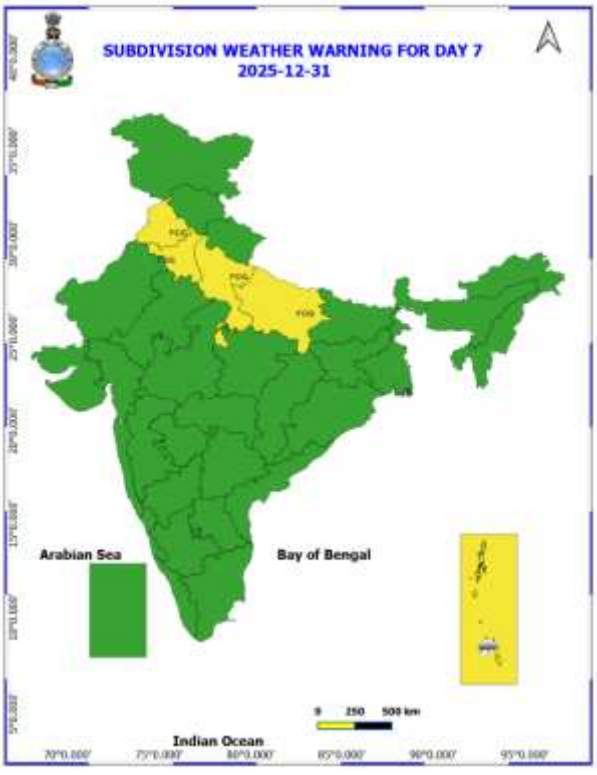

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

दिल्ली/एनसीआर में 25 दिसंबर से 28 दिसंबर 2025 तक मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में लगभग 1°C से 4°C की गिरावट आई है, जबकि अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20°C से 23°C और 6°C से 9°C के आसपास रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) है। कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, और कुछ स्थानों पर यह सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिम-दक्षिण दिशा से 22 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली। आज सुबह के समय क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा, मध्यम से घना कोहरा छाया रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

25.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। रात में धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5°C से 3.5°C) रहेगा। दोपहर के समय सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर दिशा से 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

26.12.2025: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कुछ स्थानों पर हल्की धुंध और छिटपुट स्थानों पर मध्यम धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-0.5°C से -1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (0.5°C से 2.5°C) रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 5 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर, शाम और रात में हवा की गति उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से समान रहेगी।

27.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की धुंध छाई रहेगी और कुछ स्थानों पर मध्यम धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 6°C से 8°C के बीच रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से -2.0°C कम रहेगा, जबकि दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.0°C से 3.0°C अधिक रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर, शाम और रात में हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से समान रहेगी।

28.12.2025: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की धुंध छाई रहेगी और कुछ स्थानों पर मध्यम धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20°C से 22°C और 5°C से 7°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.0° C से -3.0°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी और शाम/रात के समय 10 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।

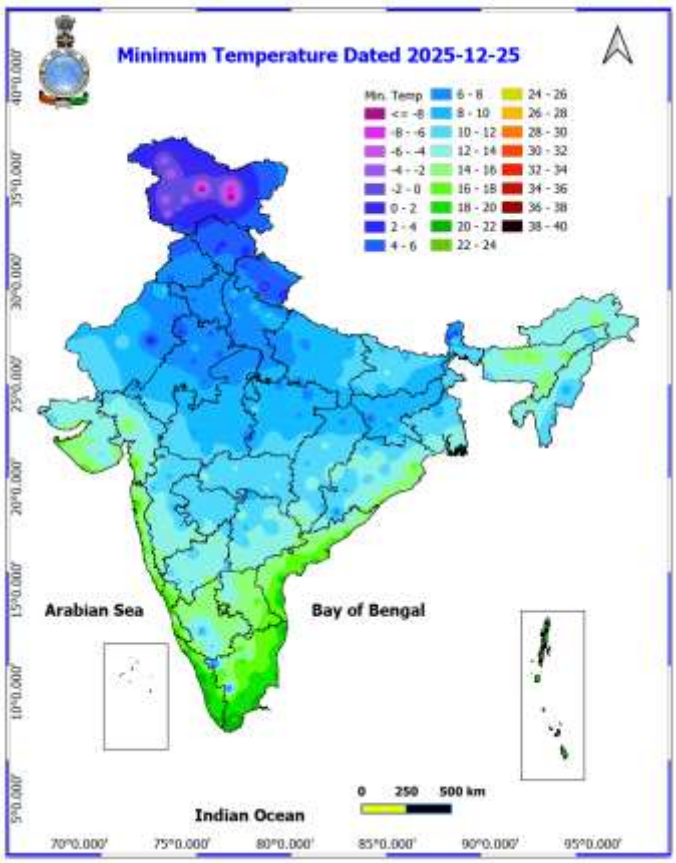

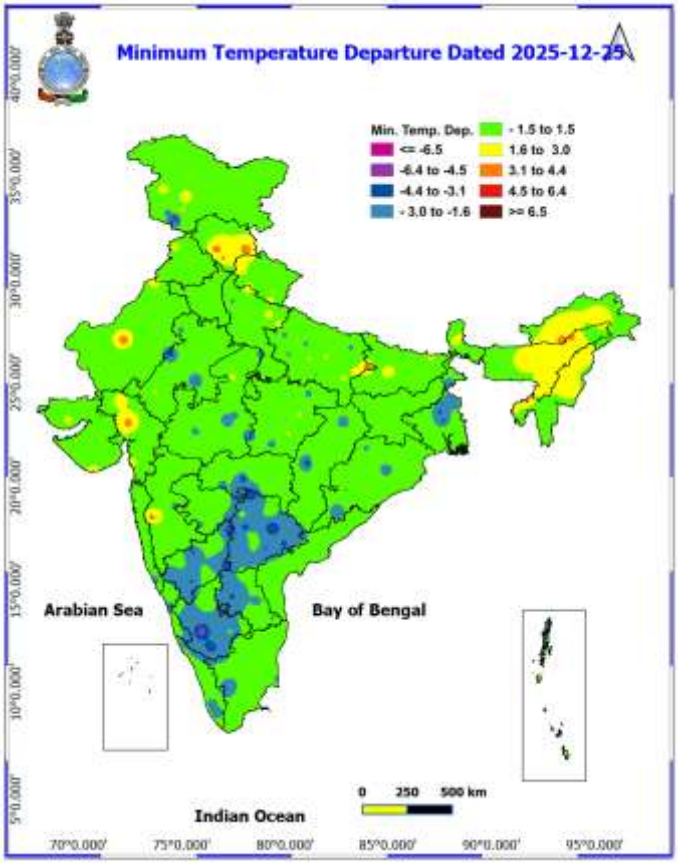

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- **बिहार के कुछ इलाकों में 26 दिसंबर तक, असम और मेघालय में 27 दिसंबर तक, रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, पूर्वी अरुणाचल प्रदेश में 28 दिसंबर तक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय में 30 दिसंबर तक, पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 दिसंबर तक और बिहार में 31 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना कोहरा छाने की संभावना है।**

- **पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में 30 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और अगले दो दिनों तक भी कुछ इलाकों में घना कोहरा छाया रहेगा।**

- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ/कई हिस्सों में 29 दिसंबर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और अगले तीन दिनों तक भी कुछ इलाकों में घना कोहरा छाया रहेगा।**

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव:झारखंड के कुछ अलग-थलग इलाकों में **26** और **27** दिसंबर को, पश्चिमी राजस्थान और उत्तरी छत्तीसगढ़ में **26** से **28** दिसंबर के दौरान, और पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में **26** से **30** दिसंबर के दौरान बारिश होने की बहुत संभावना है।

लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।

लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।

कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव:

- बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 25 से 28 दिसंबर के दौरान कुछ स्थानों पर भीषण शीत दिवस पड़ने की संभावना है; उत्तराखंड के कुछ इलाकों में 25 से 27 दिसंबर के दौरान भी ठंड पड़ सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 25 और 26 दिसंबर को कुछ इलाकों में भी ठंड पड़ने की संभावना है।

लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **पंजाब, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान, झारखंड** और **छत्तीसगढ** में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **बागवानी** फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

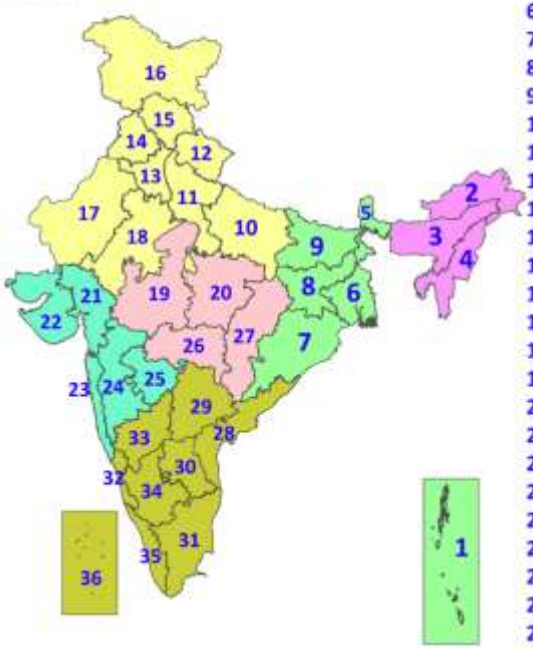

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)